हिन्दी कार्यशाला - प्रतिवेदन
विषय : राजभाषा कार्यान्वयन में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग

संस्थान में दिनांक 15 फरवरी, 2024 को मुख्यालय के प्रशासनिक वर्ग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए **राजभाषा कार्यान्वयन में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग** विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के संयुक्त निदेशक (राजभाषा) श्री जगदीशन, ए. के. ने उक्त विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ एन. पी. साहू, संयुक्त निदेशक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

अपने व्याख्यान में श्री जगदीशन ए.के., संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने बहुत ही सरल शब्दों में राजभाषा कार्यान्वयन में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया । प्रारंभ में उन्होंने राजभाषा के संवैधानिक प्रावधानों और राजभाषा नियम व अधिनियम तथा कार्यालय में हिन्दी में कार्य कैसे करें, इस संबंध में प्रतिभागियों को अवगत कराया और उन्हें जागरूक किया । इसके बाद उन्होंने कम्प्यूटर पर हिंदी में कार्य करने के लिए उपलब्ध साधनों से प्रतिभागियों को अवगत कराया, जिसमें फोनेटिक की बोर्ड का इस्तेमाल करते हुए तथा वॉइस टाइपिंग के माध्यम से कैसे हिन्दी मे टंकण किया जा सकता है, इसके बारे में जानकारियॉ दी गई। व्याख्यान के बाद प्रतिभागियो को व्यवहारिक एवं प्रायोगिक तौर पर प्रशिक्षण भी करवाया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने सक्रिय रुप से भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों की समस्याओं का समाधान भी किया गया और यह भी सूचित किया गया कि भविष्य में हिन्दी में कार्य करते समय कोई समस्या उत्पन्न होती है तो हिन्दी विभाग से संपर्क कर सकते हैं ।

इससे पहले अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए। उसमें पढ़ने-लिखने में गौरवान्वित होना चाहिए । भाषा एक ऐसा माध्यम है जो सभी लोगों को एक सूत्र में बांधकर रखती है । इसलिए मैं सभी से अपील करता हूं कि आप सभी अपना कार्य हिन्दी में करें । तभी संस्थान में हिन्दी का अधिकाधिक प्रचार होगा । केवल हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी में कार्य करने से हिन्दी नहीं बढ़ेगी, अपितु हम सभी के सहयोग से ही हिन्दी संस्थान में आगे बढ़ेगी ।

इस अवसर पर श्री के. एल. मीणा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (राजभाषा) ने अपने उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों को संक्षिप्त रुप में संस्थान में हिन्दी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने संबंधी जानकारी प्रदान करते हुए, सभी से अपील किया कि सभी लोग अपना प्रशासनिक कार्य अधिकाधिक हिन्दी में करें व जिन कागजातों को द्विभाषी रूप में जारी किया जाना है, उन्हें द्विभाषी रूप में ही जारी किया जाए । इस संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है, तो हिन्दी अनुभाग से संपर्क कर सकते हैं ।

इस अवसर पर श्री रजनीश कुमार सिंह, वित्त नियंत्रक ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का युग प्रौद्योगिकी का युग है । हम सभी को चाहिए कि हिन्दी में कार्य करने के लिए उपलब्ध सूचना प्रौद्योगिकी के साधनो को भी जानें। यह कोई कठिन कार्य नहीं है, केवल चाहत की जरूरत है । जैसे कहा जाता है जहां चाह, वहां राह। सभी लोग हिन्दी में कार्य करेंगे तो हिन्दी का विकास खुद व खुद होगा ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री प्रताप कुमार दास, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने सभी प्रतिभागियो का स्वागत किया तथा श्री जगदीशन ए. के.,संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने कार्यशाला की भूमिका से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया । अंत में श्रीमती रेखा नायर, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने आभार प्रकट किया । इस कार्यशाला में कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

Report of Hindi Workshop

Topic: Use of Information Technology in Official Language Implementation

A Hindi workshop on the use of information technology in Official Language implementation was organized in the institute on 15th February 2024 for the staff members of administration and audit & accounts sections, in which Mr. Jagadeesan, A.K., Joint Director (OL) of the institute, delivered a lecture on the topic. Dr. N.P. Sahu, Joint Director presided over the function.

Shri Jagadeesan A. K. delivered the lecture effectively and attractively in very simple words. In the beginning, he informed the participants about the constitutional provisions and Rules & Regulations of the Official Language and how to work in Hindi in the office. During the lecture, he informed the participants about the IT tools available to work in Hindi on computer, in which information was given about how type in Hindi on computer using phonetic keyboard and also through voice typing. After the lecture, hands-on training was also imparted to the participants, which was effectively utilized by them. At the end, the difficulties of the participants were also resolved and it was also informed that if any problem arises while working in Hindi, they can contact the Hindi Division.

Earlier in his Presidential address, Dr. N.P. Sahu, Joint Director said that we should be proud of our language. One should take pride in reading and writing in Hindi. Language is a medium that binds all people together. Therefore, I appeal to everyone to do their work in Hindi. Then only we can promote Hindi in the institute. Hindi will not progress only by the efforts of Hindi Division. For this all staff members of the institute should work in Hindi.

On this occasion Shri K. L. Meena, Chief Administrative Officer (SG) provided brief information regarding the promotion of Hindi in the institute and appealed everyone to do their administrative work as much as possible in Hindi. He further said that the documents under Section 3(3) of Official Languages Act, 1963 should be issued in bilingual form only. If any problem arises in this regard, you can contact the Hindi section.

Shri Rajneesh Kumar Singh, Comptroller also spoke on this ocassion. He said that today's era is IT era.. We all should know the tools of information technology available to work in Hindi. This is not a difficult task, it just requires desire to work in Hindi like the saying *where there is a will, there is a way*. If everyone works in Hindi then Hindi will automatically progress.

At outset, Mr. Pratap Kumar Das, Chief Technical Officer welcomed all the participants and Mr. Jagadishan A. K., Joint Director (Official Language) briefed about the background of the workshop. In the end, Mrs. Rekha Nair, Assistant Chief Technical Officer proposed vote of thanks. A total of 30 participants participated in this workshop.

कार्यशाला के दृश्य / Images of the workshop